कौशल दीक्षांत: ITI से काम की दुनिया तक

प्रकाशन: 22 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 21 नवंबर 2026, लखनऊ। GS-3: कौशल, रोजगार और औद्योगिक विकास। प्रिलिम्स: ITI तथा PM-SETU।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

प्रधानमंत्री ने 21 नवंबर 2026 को लखनऊ में पाँचवें कौशल दीक्षांत समारोह में भाग लिया। यह ITI से प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं के कौशल को मान्यता देने का अवसर था। कार्यक्रम में प्रशिक्षण की गुणवत्ता, नई तकनीकों के अनुरूप ट्रेड और उद्योग से जुड़ाव पर बल दिया गया। इसे किसी नई नौकरी-गारंटी की घोषणा नहीं समझना चाहिए।

ITI क्या करता है

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, यानी ITI, विशेष व्यवसायों और तकनीकी कामों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हैं। कौशल का अर्थ केवल मशीन चलाना नहीं; काम की सुरक्षा, सही उपकरण चुनना, समस्या पहचानना और गुणवत्ता बनाए रखना भी है। प्रमाणपत्र प्रशिक्षण की औपचारिक पहचान देता है, लेकिन रोजगार में उपयोगिता अभ्यास, बदलती तकनीक और स्थानीय उद्योग की मांग पर निर्भर करती है।

नई तकनीक, नया प्रशिक्षण

PIB विज्ञप्ति में 30 से अधिक नए युग के ट्रेड शुरू होने का उल्लेख है। उदाहरणों में AI असिस्टेंट, साइबर सिक्योरिटी असिस्टेंट, ड्रोन टेक्नीशियन, ग्रीन हाइड्रोजन टेक्नीशियन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर टेक्नीशियन शामिल हैं। सूची का अर्थ यह नहीं कि हर ITI में हर ट्रेड उपलब्ध है। किसी संस्थान में प्रवेश से पहले उसका पाठ्यक्रम और उपलब्ध सुविधाएँ अलग से देखनी होंगी।

PM-SETU से संबंध

कार्यक्रम में PM-SETU के अंतर्गत ₹60,000 करोड़ के निवेश का उल्लेख किया गया। विज्ञप्ति इसे ITI के पाठ्यक्रम और मशीनों के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तथा उद्योग से सीधे संपर्क से जोड़ती है। यहाँ मुद्दा केवल नए भवन बनाना नहीं, प्रशिक्षण और वास्तविक उत्पादन-प्रक्रिया के बीच दूरी घटाना है। योजना की घोषित राशि को इस एक समारोह का खर्च न समझें।

कौशल और रोजगार में अंतर

प्रशिक्षण प्राप्त होना रोजगार की संभावना बढ़ा सकता है, लेकिन नौकरी मिलने की गारंटी नहीं है। विश्लेषण में उद्योग की मांग, कौशल का स्वतंत्र मूल्यांकन, कार्य-अनुभव, महिलाओं की सुरक्षित भागीदारी, छोटे शहरों तक सुविधाएँ और पुराने कर्मचारियों का पुनर्प्रशिक्षण साथ देखना चाहिए। प्रमाणपत्रों की संख्या बढ़ने के साथ यह भी पूछना जरूरी है कि सीखा गया काम कितनी अच्छी तरह किया जा सकता है।

आगे की राह

उपयोगी कौशल-व्यवस्था में पाठ्यक्रम का नियमित अद्यतन, प्रशिक्षकों का अभ्यास, काम करने योग्य उपकरण और उद्योग से फीडबैक जुड़ते हैं। प्रशिक्षण पूरा करने वालों के आगे के रास्ते पर विश्वसनीय जानकारी से कमियाँ पहचानी जा सकती हैं। यह मूल्यांकन का सुझाव है, समारोह के कारण रोजगार के किसी मापे हुए परिणाम का दावा नहीं।

परीक्षा की दृष्टि से

ITI को व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण से और PM-SETU को प्रशिक्षण-गुणवत्ता तथा आधुनिकीकरण से जोड़ें। कौशल-विकास, रोजगार-सृजन और रोजगार-गारंटी अलग अवधारणाएँ हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: ITI प्रशिक्षण में व्यावहारिक व्यवसाय-संबंधी कौशल महत्वपूर्ण है।

कथन 2: PM-SETU का संदर्भ ITI आधुनिकीकरण और उद्योग-संपर्क से जुड़ा है।

कथन 3: नए ट्रेडों की घोषणा से प्रत्येक ITI में सभी ट्रेड स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ **उत्तर और व्याख्या**

उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: ITI का उद्देश्य तकनीकी व्यवसायों से जुड़े व्यावहारिक कौशल विकसित करना है।

कथन 2 सही है: सरकारी वक्तव्य PM-SETU को पाठ्यक्रम, मशीनों, प्रशिक्षकों और उद्योग-संपर्क के सुधार से जोड़ता है।

कथन 3 गलत है: देश में नए ट्रेड शुरू होने से हर संस्थान में सभी ट्रेड उपलब्ध होने का निष्कर्ष नहीं निकलता। संस्थान-विशेष की उपलब्धता अलग विषय है। इसलिए केवल 1 और 2 सही हैं।

स्रोत

1. PIB:5thKaushalDeekshantSamaroh
2. Prime Minister’s Lucknow skills address,21 November 2026

संबंधित पृष्ठभूमि: PM-SETU

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

पाँचवाँ कौशल दीक्षांत समारोह कहाँ हुआ?

प्रधानमंत्री ने 21 नवंबर 2026 को लखनऊ में इस समारोह में भाग लिया।

क्या सभी ITI में हर नया ट्रेड मिलेगा?

ऐसा निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। ट्रेड की संस्थान-विशेष उपलब्धता अलग से जाँची जानी चाहिए।

कौशल प्रमाणपत्र और रोजगार-गारंटी में क्या अंतर है?

प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पूरा होने की पहचान है। रोजगार वास्तविक मांग और व्यक्ति की क्षमता सहित कई शर्तों पर निर्भर है।

pcsmantra.com